ॐ नमस्कार गुरुसा बारम्बारा खेतेश्वर आरती लिरिक्स

ॐ नमस्कार गुरुसा बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा,
ॐ नमस्कार हर बारम्बारा।bd।

अनन्त कोटि दया के स्वामी,
जड़ चेतन में वास तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

न तू किसी में न तेरे में,
ऐसा निर्गुण रुप तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

आप ही सब में सब तेरे में,
ऐसा सगुण रुप तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

आप ही बाहर आप ही भीतर,
सब धट में प्रकाश तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

आप ही जल में आप ही थल में,
जहाँ देखू तहाँ वास तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

आप ही कर्ता आप ही भर्ता,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सब जग में विस्तार तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

आप ही सुरज आप ही चन्दा,
आप ही हो मण्डल के तारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

आप ही ब्रहमा आप ही विष्णु,
आप ही हो ईशवर ओंकारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

सच्चे मन से जो ध्यान लगावे,
जब हो दर्शन नाथ तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

गुरु प्रताप भणे ब्रहचारीजी,
सच्चिदानंद गुरु तुम्हारा,
ॐ नमस्कार गुरु बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा।bd।

ॐ नमस्कार गुरुसा बारम्बारा,
ॐ नमस्कार शिव बारम्बारा,
ॐ नमस्कार हर बारम्बारा।bd।

प्रेषक – भीमसिंह राजपुरोहित।
मायलावास 9448241756

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com